भारत सरकार
योजना मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2918
दिनांक 18 दिसम्बर, 2014 को उत्तर देने के लिए

आधार में खामियों की शुद्धि

2918. श्री राजीव चन्द्रशेखरः

क्या **योजना मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को आधार की संरचना, सत्यापन और राष्ट्रीय सुरक्षा, निजता, प्रतिरूपण, आंकड़ों की शुद्धता और अन्य सरोकारों में विभिन्न खामियां होने की जानकारी है;

(ख) सरकार द्वारा आधार के डाटाबेस में आंकड़ों की निजता और शुद्धता की सुरक्षा करने की दिशा में क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) इस परियोजना पर अब तक कुल कितनी धनराशि व्यय की गई है?

उत्तर
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) - योजना मंत्रालय,
तथा रक्षा राज्य मंत्री
(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) और (ख) आधार की पूरी प्रक्रिया इस प्रकार निर्धारित की गई है कि डेटा सुरक्षा, निजता, विद्विरूपण, डेटा परिशुद्धता तथा अन्य संबद्ध पहलुओं को सुनिश्चित किया जा सके। सरकार इस बात से पूरी तरह अवगत है कि डेटा सुरक्षा और परिशुद्धता के उच्चतम स्तर को बनाए रखने के लिए प्रौद्योगिकी और अवसंरचना को लगातार स्तरोन्नत करने की आवश्यकता है। इस प्रयोजनार्थ,एक सुव्यवस्थित और सक्षम डेटा सुरक्षा प्रणाली काम कर रही है। प्रारम्भ से लेकर आख़िरी चरण तक, सुरक्षा पूरी प्रणाली का एक अभिन्न अंग है और सुरक्षा जांच नियमित रूप से की जाती है। डेटा हासिल करने से लेकर उसे अंतिम तौर पर समायोजित करने तक के विभिन्न चरणों में कई प्रकार के सुरक्षा उपाय अपनाने के लिए बहुस्तरीय उपाय अपनाया जाता है। डेटा सुरक्षा के लिए,उसके प्रयोग से पूर्व, प्रयोग के दौरान और भंडारण-काल के दौरान अर्थात् सदैव निगरानी की जाती है। परियोजना की उपादेयता का किसी भी रूप में त्याग किए बगैर, वैयक्तिक डेटा की सुरक्षा और निजता पूरी तरह सुनिश्चित की जाती है। कई नीतियों और प्रक्रियाओं को परिभाषित किया गया है,इनकी निरन्तर समीक्षा की जाती है और इन्हें अद्यतन किया जाता है जिससे यूआईडीएआई परिसर के भीतर और बाहर- दोनों जगहों पर और ख़ासकर डेटा केंद्रों में लोगों,सामग्रियों और डेटा की आवाजाही पर समुचित नियंत्रण और अनुवीक्षण किया जाता है। साथ ही,डेटा की सुरक्षा और निजता के सशक्तिकरण की नई-नई प्रक्रियाएं चलती रहती हैं और डेटा को सुरक्षित तथा संरक्षित रखने के लिए हरसंभव क़दम उठाए जाते हैं।

(ग) 30 नवम्बर,2014 की स्थिति के अनुसार,आधार परियोजना पर यूआईडीएआई ने 5311.60 करोड़ रूपए ख़र्च किए हैं।

*****